राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1227

13 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

इस्पात उद्योग का अपनी क्षमता से कम प्रदर्शन

1227. डा॰ सांतनु सेनः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि इस्पात उद्योग देश में अपनी क्षमता का कम उपयोग कर रहा है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकारी क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों की उत्पादन क्षमता में कमी आई है;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों में सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा इस्पात-उत्पादन का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ङ) देश में इस्पात की उत्पादन क्षमता में वृद्धि हेतु क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क) और (ख): गत कुछ वर्षों से भारत में उत्पादन बढ़ता जा रहा है और आयात में स्थिरता आयी है। यह उल्लेखनीय है कि भारत में क्रूड इस्पात क्षमता का उपयोग अब भी वैश्विक औसत से बेहतर है, जैसा कि नीचे दर्शाया गया है:-

वर्ष=>	2013	2014	2015	2016	2017
विश्व क्षमता उपयोग	70.7	72.1	69.5	71.4	74.4
भारत का क्षमता उपयोग	78.1	80.8	78.3	78.4	81.2

स्रोत: ओईसीडी

(ग) और (घ): जी नहीं। गत तीन वर्षों में इस्पात सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम {स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)}

की उत्पादन क्षमता नीचे दी गई है। तथापि, गत तीन वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा क्रूड इस्पात क्षमता का राज्यवार ब्यौरा **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

वर्ष	**भारत: पीएसयू क्रूड इस्पात क्षमता (एमटी)**		
	सेल	**आरआईएनएल**	**कुल पीएसयू (सेल+आरआईएनएल)**
2015-16	17519	6300	23819
2016-17	17519	6300	23819
2017-18	17519	6300	23819
स्रोत: जेपीसी			

(ङ): सरकार ने देश में इस्पात की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए निम्न कदम उठाए हैं:-

- सागरमाला परियोजना के रूट पर पहचाने गए 14 तटीय आर्थिक क्षेत्रों (सीईजेड) में इस्पात उद्योग क्लस्टरों के सृजन का पता लगाया जा रहा है।
- रेल, स्लरी पाईप लाईनों और पत्तनों के माध्यम से लॉजिस्टिक अवसंरचना में क्षमता संवर्द्धन का भी साथ-साथ पता लगाया जा रहा है।
- सरकार कोल्ड-रोल्ड ग्रेन ओरिऐंटिड (सीआरजीओ), इलैक्ट्रिकल इस्पात और उच्च श्रेणी ऑटोमोटिव इस्पात के लिए प्रौद्योगिकी के विकास के क्षेत्र में विभिन्न आरएंडडी पहलों के माध्यम से लौह और इस्पात क्षेत्र को प्रोत्साहन प्रदान कर रही है।

****

अनुलग्नक-I

(राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1227 दिनांक 13 फरवरी, 2019)

वित्त वर्ष 2015-16, वित्त वर्ष 2016-17 और वित्त वर्ष 2017-18 में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा उत्पादित क्रूड इस्पात का राज्य-वार ब्यौरा

राज्य	इकाई	क्षमता (हजार टन में)	उत्पादन (हजार टन में)		
			वित्त वर्ष 2015-16	वित्त वर्ष 2016-17	वित्त वर्ष 2017-18
छत्तीसगढ़	भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी)	3925	5058	4737	4072
झारखंड	बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल)	4360	3392	3154	3694
कर्नाटक	विश्वेश्वरैया लौह एवं इस्पात संयंत्र (वीआईएसएल)	118	42	39	0
ओडिशा	राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी)	4400	2730	2932	3220
तमिलनाडु	सेलम इस्पात संयंत्र (एसएसपी)	180	120	108	97
पश्चित बंगाल	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र (डीएसपी)	1802	1975	2042	2042
	इस्को इस्पात संयंत्र (आईएसपी)	2500	871	1394	1801
	अलॉय इस्पात संयंत्र (एएसपी)	234	91	88	96
कुल: सेल		**17519**	**14279**	**14494**	**15022**
आंध्र प्रदेश	आरआईएनएल	6300	3641	3962	4731
कुल सार्वजनिक क्षेत्र		**23819**	**17920**	**18456**	**19753**